सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

वर्ष : 12 | अंक : 130 | फरवरी : 2021

इस अंक में...

5 सम्पादकीय

6 समसामयिकी घटना संग्रह

7 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

15 आर्थिक घटना संग्रह

- भारत की आर्थिक कूटनीति वेबसाइट का शुभारम्भ
- चेक भुगतान की पॉजिटिव पे प्रणाली
- जयपुर में स्वचालित बैंक प्रसंस्करण केन्द्र की स्थापना
- लखनऊ नगर निगम का बॉण्ड्स बीएसई में सूचीबद्ध
- केन्द्र सरकार ने GST टैक्सपेयर्स के लिए शुरू की QRMP योजना

18 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- मध्य प्रदेश धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम, 2020 का प्रारूप तैयार
- गुजरात में दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा पार्क का शिलान्यास
- कोरोना टीकाकरण अभियान के लिए दिशा-निर्देश जारी
- प्रधानमंत्री मोदी ने किया इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2020 का शुभारम्भ
- सभी वाहनों पर 1 जनवरी से फास्टैग लगाना होगा अनिवार्य

21 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- न्यूजीलैण्ड में प्रतीकात्मक जलवायु आपातकाल की घोषणा
- टाइम मैगजीन के 'हीरोज ऑफ 2020'
- संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने भांग को प्रतिबंधित ड्रग्स की सूची से बाहर किया
- अमरीका की स्पेस फोर्स के जांबाज अब कहलाएंगे गार्जियंस
- चीन ने बनाया परमाणु ऊर्जा से संचालित कृत्रिम सूर्य

25 खेल खिलाड़ी

- IOC ने ब्रेकडांसिंग को दिया ओलम्पिक गेम्स का दर्जा
- पार्थिव पटेल ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से लिया संन्यास
- विराट कोहली वनडे में सबसे तेज 12,000 रन बनाने वाले खिलाड़ी

28 विज्ञान समाचार

29 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

32 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

35 **प्रौद्योगिकी लेख**—अक्षय ऊर्जा के प्रयोग से ही थमेगा जलवायु परिवर्तन

36 **ऐतिहासिक लेख**—महान् समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव फुले

37 **चिकित्सा लेख**—टेलीमेडिसिन : ई-स्वास्थ्य सुविधा

39 **प्राकृतिक आपदा लेख**—हिमालय में विवर्तनिक (टेक्टोनिक) रूप से सक्रिय नए क्षेत्र की पहचान

40 **सामयिक लेख**—श्रीलंका में सामाजिक ध्रुवीकरण

42 **अभियान**—नासा का मिशन 'मंगल'

43 **कॅरियर सलाह**

68 **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**

70 **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-127 का परिणाम**

71 **रोजगार अवसर**

73 **अर्द्धवार्षिकी : समसामयिक घटनाएं—जुलाई 2020 से दिसम्बर 2020 तक**

हल प्रश्न-पत्र

46 बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा, 2019

51 राजस्थान पुलिस कॉंस्टेबिल भर्ती परीक्षा, 2019

मॉडल हल

60 आगामी राजस्थान पटवार भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन | सम्पादक : राहुल जैन | रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2

ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

सम्पादकीय ऑफिस :	1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, **आगरा**–282 005	**फोन**–2531101, 2530966
दिल्ली ऑफिस :	4845, अंसारी रोड, दरियागंज, **नई दिल्ली**–110 002	**फोन**–011-23251844, 43259035
पटना ऑफिस :	पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, **पटना**–800 004	**मो**–09334137572
कोलकाता ऑफिस :	H-3, ब्लॉक-B म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No.15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर, **कोलकाता**–700 003 (W.B.)	**फोन**–033-25551510
हैदराबाद ऑफिस :	16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (आन्ध्रा बैंक के बगल में), **हैदराबाद**–500 036 (तेलंगाना)	**मो**–09391487283
हल्द्वानी ऑफिस :	8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, **हल्द्वानी**, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड)	**मो**–07060421008

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

सम्पादकीय

कर्म में निरत रहकर सफलता प्राप्त कीजिए

"कोई काम प्रारम्भ करने से पहले, स्वयं से तीन प्रश्न पूछिए—मैं यह क्यों कर रहा हूँ, इसके परिणाम क्या हो सकते हैं, और क्या मैं सफल हो पाऊँगा ? जब गहराई से सोचने पर इन प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर मिल जाए तभी आगे बढ़ें." **—चाणक्य**

भगवान श्रीराम की कथा के संदर्भ में उनके प्रिय अनुज लक्ष्मण जी का यह कथन अत्यन्त प्रसिद्ध एवं लोकप्रिय है—

कादर मन कहुँ एक अधारा ।
दैव-दैव आलसी पुकारा ।।

कठिनाई अथवा मुसीबत आने पर जो लोग केवल भगवान का नाम लेते हुए, हाय, हाय पुकारते हैं, वे कायर और आलसी हैं, क्योंकि हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाना, अथवा केवल भाग्य और भगवान को दोष देना किसी समस्या का हल नहीं हो सकता है.

जीवन में कर्म या कर्तव्य-पालन प्रधान है. कर्म के बिना जीवन और जगत् का अस्तित्व ही नहीं रह सकता है. चन्द्र, सूर्य सदृश महाशक्तियाँ भी अपने पथ पर निरर्थक चलते रहकर विश्व के प्रति अपने कर्तव्य का पालन अनवरत् रूप से करते रहते हैं. इनका संचालक—परमात्मा या परम-तत्व भी यदि कर्म से विरत हो जाए, तो सृष्टि का क्रम ही नष्ट हो जाएगा, इसीलिए कहा गया है—"कर्मण्येवाधिकारस्ते अर्थात् कर्म करने में तेरा अधिकार हो"—क्योंकि कर्म के अभाव में हमारा अस्तित्व ही नहीं रह जाएगा ? कर्म के मार्ग में आने वाली कठिनाइयों को भी हमें ही दूर करना होगा. हम न कायर कहलाना चाहेंगे और न अकर्मण्य. हम यदि जीवन में सुख-समृद्धि की इच्छा करते हैं, तो हमें उसके लिए प्राणपन से प्रयत्न करना होगा. इसीलिए कहा जाता है—"कर्म ही पूजा है—*Work is worship.*" इस कथन का सीधा-सा तात्पर्य यह है कि भगवान कर्म से प्रसन्न होते हैं. सर्वव्यापी, सर्वशक्तिमान, सर्वसमर्थ एवं सर्वथा पूर्ण काम होते हुए भी वह प्रतिपल कर्म में निरत रहते हैं. वह जहाँ भी अवतार रूप अथवा पैगम्बर के रूप में प्रकट होते हैं, वहाँ कर्म की प्रेरणा प्रदान करते हैं, क्योंकि मानव-जीवन समस्याओं का संघात है और उसका निवारण कर्म द्वारा ही सम्भव है. हिन्दी के कथाकार जैनेन्द्र कुमार का यह कथन ध्यातव्य है—"कर्म अनिवार्य है और मनुष्य नितान्त स्वतंत्र नहीं है, कर्म की परिधि से घिरा है, उस परिधि के भीतर स्वतंत्र है, परिधि से बाहर भागकर नहीं जा सकेगा. वह अपना दुर्भाग्य समझे या सौभाग्य, जंग का तंत्र ही ऐसा है." कर्म करना हमारी नियति है, क्योंकि समस्याएं पैदा करना हमारा स्वभाव है. यदि कर्म न किया जाए, तो जीवन की समस्याएं किस प्रकार सुलझें ? कवि जयशंकर प्रसाद के अनुसार मकड़ी जिस तरह अपने भीतर से जाला प्रकट करती है, उसी प्रकार मनुष्य समस्याएं उत्पन्न करता रहता है और फिर उनसे छुटकारा पाने के लिए प्रयास यानी कर्म करता है, जो जितना सटीक एवं सार्थक कर्म करता है. वह उतना ही सफल और महान् बन जाता है, जो कर्म से विरत होता है. वह निष्क्रिय, निकम्मा, जाहिल आदि कहलाकर समाज के लिए भारस्वरूप होकर जीवित रहता है, जो कर्म से विरत होता है वह कर्महीन होकर जीता है, वह जिस काम से सम्बद्ध होता है, वह चौपट हो जाता है—

कर्महीन खेती करे, बैल मरे कि सूखा परे।